

## यूरोप का डजिटल यूरो

**स्रोत: द हिंदू**

यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ECB) ने डजिटल यूरो को एक नई **सेंट्रल बैंक डजिटल करेंसी (CBDC)** के रूप में प्रस्तुत किया है, जसि यूरोप में भुगतान परदृश्य को आधुनिक बनाने के लिये डजिाइन किया गया है।

- डजिटल यूरो का उद्देश्य **मध्यस्थ बैंकों या गेटवे के बिना प्रत्यक्ष भुगतान की सुविधा प्रदान करना है**। यह नकदी के डजिटल संस्करण के रूप में कार्य करने के साथ **नकदी के समान गुणनामी** के स्तर को बनाए रखते हुए **ऑफलाइन भी पीयर-टू-पीयर लेन-देन** को सक्षम बनाने में सहायक है।
- ECB द्वारा प्रत्यक्ष रूप से जारी की गई CBDC कोलेन-देन लागत को कम करने के लिये **डजिाइन किया गया है**, जसिमें **माइक्रो-भुगतान भी शामिल है**, जो वर्तमान में पारंपरिक बैंकों के लिये महंगा है।
- ECB द्वारा डजिटल यूरो को **गैर-यूरोपीय भुगतान प्रदाताओं के प्रति संतुलन तथा** वैश्विक प्रतिस्पर्धियों (विशेष रूप से अमेरिकी कंपनियों) के खिलाफ **यूरोप की डजिटल संप्रभुता को मजबूत करने के उपकरण के रूप में देखा जा रहा है**।
- भारतीय रजिस्टर बैंक (RBI)** ने वर्ष 2022 में CBDC के रूप में **डजिटल रुपया (e₹)** लॉन्च किया था।
  - CBDC कागजी मुद्रा** का एक डजिटल रूप है और नियामक शून्यता में संचालित **क्रिप्टोकॉर्सेसी** के विपरीत, ये केंद्रीय बैंक द्वारा जारी एवं समर्थित कानूनी नविदाएँ हैं।

//



# डिजिटल रुपया

- ◆ भारतीय रुपये का एक डिजिटल संस्करण।
  - ◆ ई-रुपये के रूप में भी जाना जाता है, सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC)।
  - ◆ निजी स्वामित्व वाली क्रिप्टो के विपरीत एक केंद्रीय स्वामित्व वाली डिजिटल मुद्रा।
  - ◆ ऑफलाइन कार्यक्षमता प्रस्तावित-कोई भी इंटरनेट के बिना लेनदेन कर सकता है।
- दस देशों ने CBDC की शुरुआत कर दी है जिनमें सबसे पहला है वर्ष 2020 में बहामियन सैंड डॉलर तथा सबसे नवीनतम है जमैका का JAM&DEX।

## लाभ

- ◆ वित्तीय प्रणाली में न्यूनतम व्यवधान।
- ◆ **जोखिम से मुक्त:** क्रिप्टो के साथ देखे गए जोखिमों के विपरीत यह लोगों को डिजिटल रूप में मुद्रा में लेनदेन का अनुभव प्रदान करता है,
- ◆ **यथोचित अनामिता:** भौतिक नकदी के समान छोटे मूल्य के लेनदेन के लिये यथोचित अनामिता प्रदान करता है

## ई-रुपये का क्रियान्वयन

- ◆ **CBDC-खुदरा मोड:** यह संभावित रूप से सभी के उपयोग के लिये उपलब्ध होगा जिसे CBDC-R भी कहा जाता है।
  - \* यह नागरिकों के लिये डिजिटल भुगतान के सुरक्षित साधन की पेशकश कर सकता है।
  - \* यह संभवतः नकदी के समान, टोकन-आधारित हो सकता है।



- ◆ **CBDC-थोक मोड:** चुनिंदा वित्तीय निकायों तक सीमित पहुँच के लिये, जिसे CBDC-W भी कहा जाता है।
  - \* निपटान प्रणालियों को अधिक कुशल और सुरक्षित बनाने का लक्ष्य।
  - \* यह खाता-आधारित हो सकता है।

## मुद्दे

- ◆ साइबर सुरक्षा
- ◆ गोपनीयता और डेटा उपयोग का मुद्दा
- ◆ डिजिटल अंतराल
- ◆ अन्य बाजार के प्रतिस्पर्धियों जैसे वीजा, मास्टरकार्ड आदि की तुलना में अप्रतिस्पर्धी कदम।

और पढ़ें: [सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी](https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/europe-s-digital-euro)